



## भारत-थाईलैंड संबंध

### प्रलमिस के लयि:

8वाँ भारत-थाईलैंड रक्षा संवाद, [ASEAN](#), [BIMSTEC](#), [अभ्यास MAITREE](#), अभ्यास SIAM BHARAT, [भारत-थाईलैंड समनवति गशत](#) ।

### मेन्स के लयि:

भारत-थाईलैंड संबंध ।

## चरचा में क्यों?

8वीं भारत-थाईलैंड रक्षा वारता का आयोजन बैंकॉक, थाईलैंड में हुआ जसिके दौरान दोनों पक्षों ने अपने द्वपिकर्षीय रक्षा सहयोग पर संतोष व्यक्त किया ।





//

## वार्ता के प्रमुख बटु:

- इसमें वभिनिन द्वपिकषीय रकषा सहयोग पहलुु की प्रगतकी समीकषा की गई ।
- रकषा, समुद्री सुरकषा और बहुराषटरीय सहयोग के कषेत्तर में समन्वय को बढावा देने पर बल दिया गया ।
  - थाईलैंड ने भारतीय रकषा उदयोग की कषमता में वशिवास व्यकत कथिा ।
- इस दौरान सहयोग के उभरते कषेत्तरुु और वैश्वकि मुदुदु के समाधान की दशिा में उठाए जाने वाले कदमू को भी स्पष्ट कथिा गया ।

## थाईलैंड के साथ भारत के संबध:

- राजनयकि संबध:
  - थाईलैंड और भारत के बीच राजनयकि संबध 1947 से है ।
  - ये संबध आर्थकि और सांस्कृतकि संबधुु की नीव पर नरुमति हैं जो 2000 से अधकि वरुषु से मौजूद हैं ।
  - भारत की 'लुक ईसुट' नीति (वरुष 1993 से) और थाईलैंड की 'लुक वेसुट' नीति (वरुष 1996 से), जो अब भारत की 'एकुट ईसुट' और थाईलैंड की 'एकुट वेसुट' में बदल गई है, आर्थकि एवं वाणजियकि संबधुु सहति द्वपिकषीय संबधुु को मज़बूत करने में दृढता से योगदान दे रही हैं ।
- आर्थकि और वाणजियकि संबध:
  - वरुष 2019 में द्वपिकषीय व्यापार 12.12 बलियिन अमेरकि डुल्लर का था और महामारी की स्थति के बावजूद वरुष 2020 में यह 9.76 बलियिन अमेरकि डुल्लर तक पहुँच गया ।
    - वरुष 2018 में भारत को थाईलैंड द्वारा लगभग 7.60 बलियिन अमेरकि डुल्लर का नरियात कथिा गया था, जबकि थाईलैंड को भारत द्वारा लगभग 4.86 बलियिन अमेरकि डुल्लर का नरियात कथिा गया था ।

- भारत और थाईलैंड के बीच द्विपक्षीय व्यापार वर्ष 2021-22 में लगभग 15 बिलियन अमेरिकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुँच गया।
- **आसियान क्षेत्र** में सगिापुर, वयितनाम, इंडोनेशिया और मलेशिया के बाद **थाईलैंड भारत का 5वाँ सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है।**
  - वर्तमान में थाई सामानों को **आसियान-भारत FTA** के तहत **कर कटौती से लाभ हुआ है**, जो जनवरी 2010 में लागू हुआ था।
- **रक्षा सहयोग:**
  - समय के साथ द्विपक्षीय रक्षा संबंधों का वसितार हुआ है और इसमें रक्षा संवाद बैठकें, सेनाओं के बीच आदान-प्रदान, उच्च-स्तरीय दौरे, क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा वार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास शामिल हैं।
  - **रक्षा अभ्यास:**
    - अभ्यास मैत्री (सेना)।
    - सयाम भारत अभ्यास (वायु सेना)।
    - **भारत-थाईलैंड समन्वति गश्ती** (नौसेना)।
- **कनेक्टविटी:**
  - वर्ष 2019 में लगभग 1.9 मिलियन भारतीय पर्यटकों ने थाईलैंड का दौरा किया, जबकि लगभग 160,000 थाई पर्यटकों ने मुख्य रूप से **बौद्ध तीर्थ स्थलों** के लिये भारत का दौरा किया।
  - भारत और थाईलैंड **बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (BIMSTEC) ढाँचे के लिये बंगाल की खाड़ी पहल के तहत** भी क्षेत्रीय संपर्क में सुधार के लिये मलिकर काम कर रहे हैं।
  - बहुपक्षीय भारत-म्यांमार-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग से पूर्वोत्तर भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया के माध्यम से भूमि-संपर्क का वसितार होने की उम्मीद है, जो दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया के बीच पहला सीमा पार सुवधा समझौता बन गया है।
- **सांस्कृतिक सहयोग:**
  - भारत और थाईलैंड में भारतीय सांस्कृतिक मंडलों, त्योहारों और कार्यक्रमों के लिये नियमति यात्राओं के साथ एक मज़बूत सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम है।
  - एक भारतीय सांस्कृतिक केंद्र, जसिे अब **स्वामी वविकानंद संस्कृतिकेंद्र** के रूप में जाना जाता है, बैंकॉक में वर्ष 2009 में स्थापति किया गया था।
  - श्री गुरुनानक देव जी की 550वीं जयंती थाईलैंड में भी वभिन्न कार्यक्रमों और बैंकॉक में एक भव्य नगर कीर्तन जुलूस के साथ मनाई गई।
  - भारत के संवधान का थाई भाषा में अनुवाद थाईलैंड में शुरू किया गया था।

## आगे की राह

- दोनों देशों को व्यापार बाधाओं से संबंधति मुद्दों का समाधान करना चाहयिे और व्यापार एवं नविश का वसितार करने के लिये द्विपक्षीय **अनुबंधों** के माध्यम से आयात शुल्क को कम करना चाहयिे।
- भारत के स्टार्ट-अप पारतिंत्र और थाईलैंड के बीच सहयोग के अवसरों का भी पता लगाया जाना चाहयिे।
- दोनों देश एक-दूसरे के बाज़ारों में नविश कर आपूर्ति शृंखला के अंतराल को कम करने के लिये मलिकर काम कर सकते हैं।
- रक्षा अनुबंधों, सैन्य आदान-प्रदान और संयुक्त अभ्यासों के माध्यम से रणनीतिक एवं सुरक्षा संबंधी सहयोग को मज़बूत करना भी आवश्यक है।

**स्रोत: पी.आई.बी.**